झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

सरकार के स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समय पर एवं सही जानकारी लोगों के जीवन में काफी बदलाव कर सकता है। यह गरीबों के लिए किस प्रकार वरदान साबित हो सकता है इसका जीता जागता उदाहरण सरिता तिर्की, उम्र 24 वर्ष है। सरिता तिर्की का जब प्रसव का समय हो गया तब उनके खराब स्वास्थ्य को देखते हुए आस–पास के लोगों ने कहा कि आपको Private अस्पताल में जाना चाहिए, नहीं तो प्रसव के समय आपको तथा आपके बच्चे को जान का खतरा हो सकता है। सरिता तिर्की एक BPL (Below Poverty Line) परिवार की महिला है। उनके लिए प्राईवेट अस्पताल का खर्च उठाना सम्भव नही था, क्योंकि जब वे प्राईवेट अस्पताल गई तो अस्पताल द्वारा उनके आपरेशन के लिए हजारों रू0 की मांग की गई। अंततः थक हार के सरिता तिर्की ने सदर अस्पताल राँची मे भर्ती होने का फैसला किया। वहाँ महिला चिकित्सक के द्वारा उनकी जाँच की गई। जाँच करने पर पता चला कि श्रीमती तिर्की का प्रसव का अनुमानित समय 22/03/2013 था। जबकि वह 22 दिन बाद दिनांक 14/04/13 को अस्पताल में भर्ती हुई थी लगभग 22 दिन पहले ही देर हो चुका था। भर्ती के समय श्रीमती तिर्की का हिमोग्लोबिन का स्तर मात्र 7.7 gm था। कुल मिलाकर सरिता तिर्की की स्थिति गंभीर थी, महिला चिकित्सक ने बताया कि श्रीमती तिर्की का जल्द से ऑपरेशन करना बहुत ही जरूरी है अन्यथा जच्चा –बच्चा दोनो को खतरा हो सकता है। श्रीमती तिर्की का ऑपरेशन किया गया, उनको 2 unit खून भी चढाया गया। सभी जरूरी दवाऐं भी अस्पताल की ओर से मुफ्त में JSSK योजना के अंर्तगत दी गई। अंततः श्रीमती तिर्की का सुरक्षित प्रसव हुआ तथा टांका कटने के बाद, वे अपने बच्चे के साथ खुशी पूर्वक घर लौटी। यदि सभी लोगों को JSSK तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी समय से दी जाय तो ये लोगों के लिए वरदान साबित हो सकता है।

नोडल ऑफिसर

आई0 ई0 सी0 कोषांग